>

Title: Regarding fall in Sensex .

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : वहां पिछले तीन महीने में सूचकांक 6000 पाइंट्स गिर गया है जिसके कारण छोटे-छोटे निवेशकों का करोड़ों रुपया डूब गया । वे लोग ज्यादा कष्ट में हैं।

उपाध्यक्ष जी, छोटे निवेशकों का इतना पैसा डूबा है जितना हमारा टोटल जी.डी.पी. है। डा. मनमोहन सिंह जी ने कहा था कि मैं इस उतार-चढ़ाव के लिये अपनी नींद नहीं गवां सकता हूं। यहां तक कि श्री चिदम्बरम ने इस बात का जिक्र किया और कहा कि हमारी अर्थ व्यवस्था इतनी सुदृढ़ है कि इन बातों का असर नहीं पड़ता। यह कहा जा रहा है कि अमरीका में मंदी आई है, इसलिये हमारे यहां मंदी रही है। उपाध्यक्ष जी, अगर अमरीका में 3 प्रतिशत फर्क पड़ता है तो हमारे यहां 30 प्रतिशत फर्क पड़ता है। जब यह सूचकांक 21 हजार पार कर रहा था तो हमने इस बात की चेतावनी देते हुये कहा था कि फॉरेन इंस्टीट्युशनल इनवैस्टर्स का पैसा लग रहा है, आतंकवादियों का पैसा लग रहा है और वह पैसा जिस दिन विदड्रा होगा तो स्टॉक एक्सचेंज धड़ाम से नीचे गिरेगा और इससे करोड़ों छोटे निवेशक बेबाक हो जायेगें। सरकार को उसके लिये कदम उठाना चाहिये था लेकिन सरकार ने इस पर कोई कदम नहीं उठाया। इस गिरावट का बजट पर भी असर पड़ा है। अभी परसों ही 951 पाइंट्स गिरे हैं जबकि जनवरी में 1400 पाइंट्स गिरे थे।[s9]

उपाध्यक्ष महोदय, बार-बार श्री पी. चिदम्बरम साहब लोगों को आश्वस्त करते रहे कि घबराने की

* Not recorded

जरूरत नहीं है और उनके आश्वासन पर ही लोग अपना धन शेयर मार्केट में इन्वैस्ट करते रहे। मैं छोटे निवेशकों के बारे में कह रहा हूं। सरकार ने बजट में एक्सपोर्टर्स के लिए कुछ राहत नहीं दी है। सरकार ने कहा था कि डॉलर की कीमत कम हुई है, इसलिए जो एक्सपोर्टर्स हैं, उनके लिए सरकार कुछ करेगी लेकिन सरकार ने बजट में उनके लिए कुछ नहीं किया। महंगाई बहुत ज्यादा बढ़ गई है। बजट में एक्सपोर्टर्स के लिए राहत की कुछ भी व्यवस्था न करने और जो नीतियां सरकार ने अपनाई हैं, उनकी वजह से करोड़ों लोगों का पैसा डूब गया है और उन्हें इसकी वजह से बहुत कठिनाई पैदा हुई है। मैं सरकार से यही कहना चाहता हूं कि सरकार इस बारे में तुरन्त कार्रवाई करे, अन्यथा आने वाले दिनों में शेयर मार्केट में और ज्यादा हलचल होगी और ज्यादा छोटे निवेशक डूबेंगे।

उपाध्यक्ष महोदय :चौधरी लालसिंह जी, प्लीज ब्रीफ में अपनी बात कहें।